अर्थ आवरः 29 मार्च को एक घंटा बत्ती ऑफ रखें

दुनिया के 6000 शहरों के लोग 29 मार्च को रात 8:30 से 9:30 बजे बिजली ऑफ रखेंगे

नई दिल्लीः 25 मार्च, 2014। बीएसईएस ने अपने 34 लाख उपभोक्ताओं से अपील है कि वे आगामी 29 मार्च को अर्थ आवर के दौरान रात 8.30 से 9.30 बजे के बीच स्वेच्छा से अपने घरों व दफ्तरों की गैरजरूरी लाइट्स बंद रखें। बीएसईएस खुद भी, 950 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैले अपने सभी ऑफिसों में अर्थ आवर के दौरान गैर जरूरी लाइट्स को ऑफ रखेगी।

पिछले साल, अर्थ आवर सिटी चैलेंज के दौरान दिल्ली को अर्थ आवर की राष्ट्रीय राजधानी घोषित किया गया था। उल्लेखनीय है कि 2013 में दिल्ली ने अर्थ आवर के दौरान 250 मेगावॉट बिजली बचाई थी। बीएसईएस उपभोक्ताओं ने 169 मेगावॉट की बिजली बचत की थी।

दिल्ली और मुंबई के अलावा, लंदन, दुबई, सिडनी, सिंगापोर, लॉस एंजेलेस, रोम, मनीला जैसे 6000 शहरों के करोड़ों लोग 29 मार्च को स्थानीय समय के अनुसार रात 8:30 बजे से 9:30 बजे के बीच अर्थ आवर मनाएंगे। पर्यावरण बचाने के उद्देश्य के तहत 6000 शहरों के लोग इस दौरान गैरजरूरी लाइट्स को ऑफ रखेंगे।

अर्थ आवर, डब्लूडब्लूएफ (वर्ल्ड वाइड फंड फॉर नेचर/ वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड) का एक वार्षिक कार्यक्रम है, जिसके तहत दुनियाभर के लोगों से अपील की जाती है कि वे जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए, अपने घरों व बिजनेस स्थलों पर गैरजरूरी लाइट्स व बिजली चालित उपकरणों को तय समय के दौरान बंद रखें।

बीएसईएस ने, इस बार बिजली बिल के साथ भेजे गए न्यूज लेटर *सिनर्जी* के माध्यम से अपने सभी उपभोक्ताओं से अर्थ आवर मनाने का अनुरोध किया है। इसके अलावा, रजिस्टर्ड उपभोक्ताओं को एसएमएस भेजे जा रहे हैं। बीएसईएस की वेबसाइट और ईमेल के माध्यम से भी अर्थ आवर का संदेश फैलाने की कोशिश की जा रही है। अपने ऑफिसों में बीएसईएस ने अर्थ आवर से संधित पर्चे व पोस्टर आदि लगाए हैं, ताकि बिजली बचत, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता लाई जा सके। बीएसईएस ने अपने सभी कंप्यूटरों के डेस्कटॉप पर अर्थ आवर का संदेश भी डाला है।

हालांकि इन दिनों टी 20 क्रिकेट वर्ल्ड कप चल रहा है, ऐसे में उपभोक्ताओं के लिए टीवी को ऑफ करना मुश्किल होगा। फिर भी, पिछले वर्षों के दौरान लोगों की ओर से मिले सहयोग को देखते हुए, बीएसईएस को उम्मीद है कि इस बार भी उपभोक्ता अर्थ आवर पूरे जोश के साथ मनाएंगे।

बीएसईएस के मुताबिक– अर्थ आवर, बेहतर जीवन की दिशा में उठाया गया कदम है। यह सिर्फ एक घंटे का मसला नहीं होना चाहिए, बल्कि हमें अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में इसे शामिल करना होगा। जलवायु परिवर्तन के मद्देनजर धरती मां के प्रति भी हमारी कुछ जिम्मेदारी बनती है। अर्थ आवर जैसे छोटे–छोटे प्रयासों से हम बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं।

बीएसईएस प्रवक्ता का कहना है कि बीएसईएस अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों और पर्यावरण के प्रति अपने दायित्वों को लेकर पूरी तरह सजग है, और इस दिशा में कई कदम उठा रही है। अर्थ आवर को अपने 34 लाख उपभोक्ताओं के बीच जोर–शोर से प्रमोट करना और इस बारे में जागरूकता फैलाना इन्हीं कदमों में से एक है। अर्थ आवर ऐसे बदलावों की तरह है, जिन पर लोग आसानी से अमल कर सकते हैं। हमें वह लक्ष्य पाने की दिशा में काम करना चाहिए, जिस दिन अर्थ आवर की जरूरत ही न पड़े।

दिल्ली की प्रमुख बिजली वितरण कंपनी बीआरपीएल और बीवाईपीएल अपने उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है।